।। ऊँ श्री परमात्मने नमः ।।

"प्रसाद"

पूज्य गुरुदेव के अनमोल पत्र

लेखक साधुवेश में एक पथिक

Scanned with OKEN Scanner

प्रसाद

पूज्य गुरुदेव के अनमोल पत्र

लेखक

साधु वेश में एक पथिक

प्रकाशक

श्री स्वामी पथिक

अखिल भारतीय दातव्य सेवा समिति

28, विधान सभा मार्ग, लखनऊ -226 001

मोबाइल: 9415062640

प्रस्तुति

डा० अर्चना गुप्ता (रानी)

संशोधित संस्करण : नवम्बर 2010

लागत मूल्य 10.00

मुद्रक : क्रियेटिव प्वाइंट एफ-25, जयहिन्द काम्प्लेक्स,
बी. एन. रोड, कैसरबाग, लखनऊ फोन : 0522-3012827

Scanned with OKEN Scanner

प्रिय सत्संग प्रेमी महानुभाव

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है एवं मेरा परम सौभाग्य है कि परम श्रद्धेय श्री महाराज जी के शरीर छोड़ने के लगभग 13 वर्ष बाद उनके द्वारा लिखे पत्रों का संग्रह अनमोल रत्नों के रूप में प्राप्त हुआ। इन पत्रों में गुरूदेव की भाषा शैली की प्रौढ़ता, उनकी दार्शनिकता, उनके अपने भक्तों के प्रति समीपता एवं परम हितैशी प्रवृति का परिचय पाठकों को मिलेगा। अहंकार, काम, क्रोध, लोभ एवं मोह आदि विकारों पर पूज्य श्री महाराज जी के दिशा निर्देश बहुत ही प्रभावी होंगे, क्योंकि कमोवेश हम सभी श्रृद्धालुओं की यही स्थिति है। इसीलिये यह पुस्तक हम सभी के कल्याण हेतु प्रेरणास्त्रोत एवं मार्गदर्शक साहित्य के रूप में बहुउपयोगी साबित होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

मैं अपने पति श्री राकेश जी का भी आभार व्यक्त करती हूँ। जिनकी अटूट लगन एवं अनवरत किए गए प्रयासों से ज्ञानदायिनी पुस्तक के प्रकाशन का संकल्प पूर्ण हो सका। वास्तव में सदगुरू की प्रेरणा और सूक्ष्म रूप में रही उनकी उपस्थिति से ही वे इस प्रकाशन के हेतु बने है।

वन्दउँ गुरू पद पदुम परागा। सुरूचि सुबास सरस अनुरागा ।।

अर्चना (रानी)

Scanned with OKEN Scanner

(पूज्य श्री नागा निरंकारी जी महाराज)

प्रस्तुति : डा० अर्चना गुप्ता (रानी)

आर०के० गुप्ता
77- बी, कैन्ट, पनचक्की, कानपुर-208004
मो० 9415131401

पुस्तक मिलने का पता

डॉ० जे. एल. सूरी, बर्लिंग्टन चौराहा,
विधान सभा मार्ग, लखनऊ
फोन : 0522-2622956 मो० 9415062640

Scanned with OKEN Scanner